वैज्ञानिकों ने सेमी-अविरल बायोडीजल प्लांट की तकनीक की विकसित, उत्पादन के लिए सरल प्रक्रिया

फास्ट मीडिया

लुधियाना, अजय पाहवा। सीएसआईआर-सीएमईआरआई के तत्वावधान में, सीओईएफएम, लुधियाना के वैज्ञानिकों ने "सेमी-अविरल बायोडीजल प्लांट" की तकनीक विकसित की है। यह तकनीक 10 प्रतिशत तक मुक्त फैटी एसिड सामग्री वाले किसी भी फीडस्टॉक से बायोडीजल के उत्पादन के लिए एक सरल प्रक्रिया का प्रतिनिधित्व करती है। यह एक कम रखरखाव उत्पादन तकनीक है, इसे कम पूंजीगत लागत पर कहीं भी आसानी से लागू किया जा सकता है और जो मैनुअल हस्तक्षेप से संचालित होता है। यह बॉयोडीजल संयंत्र विभिन्न प्रकार के अशिष्ट खाद्य तेल जटरोफा, करंज, तुगं महुवा जेजोबा एवं पशु वसा से गुणवत्ता वाला बॉयोडीजल बनाने में सक्षम है। सीएसआईआर-सीएमईआरआई बॉयोडीजल मशीनरी का व्यवसायीकरण से एमएसएमई की सहायता कर रहा है। नए उद्यमी और स्टार्टअप सफल व्यवसाय मॉडल विकसित करने में भाग ले रहे हैं और वर्तमान में इसे पांच से अधिक उद्योगों में स्थानांतरित किया गया है। इस विकसित तकनीक को सीएसआईआर-सीएमईआरआई के निदेशक प्रो. हरीश हिरानी की उपस्थिति में मैसर्स बासुदेव बायोडीजल एलएलपी, भुवनेश्वर, ओडिशा को स्थानांतरित कर दिया गया है। इस अवसर पर सीएमईआरआई के निदेशक, प्रो॰ हरीश हिरानी ने कहा कि सीएमईआरआई ऊर्जा उत्पादन के लिए अपशिष्ट तेल, बायोमास, और नगरपालिका के ठोस अपशिष्ट का प्रयोग कर अनुसंधान और विकास तकनीकों का संचालन कर रहा है। उन्होंने उद्योगों से आग्रह किया कि वे अक्षय ऊर्जा स्रोतों पर उच्च ऊर्जा निर्भरता के सरकार के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस तकनीक को आगे लाने के लिए मिलकर काम करें। वर्तमान में, संस्थान बायोडीजल संयंत्र के पूरी तरह से स्वचालित आप-स्केल संस्करण को विकसित कर रहा है, जिसमें कई और विशेषताएं हैं - जैसे उच्च एफएफए तेलों का उपयोग करना और अभिकारकों की वसूली और उत्पादों की शुद्धि, प्रोद्योगिकी का विस्तार करते हुए, आविष्कारक, डॉ॰ कृष्णेंदु कुंडू, प्रधान वैज्ञानिक ने कहा कि इस संयंत्र के माध्यम से उत्पादित बायोडीजल समग्र स्थिरता पर विचार करते हुए एक बेहतर ऊर्जा का विकल्प है क्योंकि यह कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रस ऑक्साइड और पार्टिकुलेट मामले आदि जैसे विषाक्त उत्सर्जन को कम करता है।

फास्ट मीडिया Mon, 15 July 2019
https://www.readwhere.com/read/c/41394312